Roll No.....
Signature of Invigilator .....

Paper Code

BD-C4-202

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali
Examination May-June-2023

बी.ए. (आर्नस) दर्शन, द्वितीय सत्र

न्याय दर्शन-पूर्वार्द्ध-I

Time : 3 Hours **Max. Marks : 70**

नोट: यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड -क)

(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट: खण्ड 'क' में विकल्पसहित (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (3 x15 =45)

1. न्याय दर्शनानुसार प्रमाण को परिभाषित करते हुये प्रमाण के प्रकारों को विस्तारपूर्वक समझाइये।

2. प्रमेय किसे कहते हैं? न्याय में वर्णित प्रमेयों को विस्तारपूर्वक उल्लेखित कीजिए।

3. हेत्वाभास को परिभाषित करते हुये हेत्वाभास के प्रकारों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिये।

4. सिद्धान्त किसे कहते हैं? सिद्धान्त के प्रकारों को उदाहरण सहित स्पष्ट करें।

5. प्रतिज्ञादि पंचावयवों को प्रमाण सहित विस्तारपूर्वक समझाइएं।

(खण्ड-ख)

(लघु- उत्तरीय प्रश्न)

नोट: खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5 x5 =25)**

6. ''दु:ख जन्म प्रवृत्ति.....'' सूत्र को पूर्ण करते हुये तत्वज्ञान से मोक्ष प्राप्ति के क्रम को निरूपित करें।

7. संशय किसे कहते हैं? संशय के प्रकारों को संक्षेप में समझाएं।

8. तर्क तथा निर्णय को परिभाषित करते हुये उन्हें समझाएं।

9. कथा कितने प्रकार की होती है? वाद नामक कथा का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

10. छल किसे कहते हैं? छल के प्रकारों को उदाहरण सहित संक्षेप में वर्णन करें।

11. जाति एवं निग्रहस्थान को विस्तारपूर्वक समझाएं।

12. शब्द के अनित्यत्व व प्रमाण चतुष्टवत्व को न्याय दर्शनानुसार उल्लेखित करें।

----------X----------